देहरादून,पौड़ी–गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित | www.page3news.in | नगर संस्करण वर्ष 18 अंक: 302 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार–प्रवाह...
नहीं दिख रहा अंत

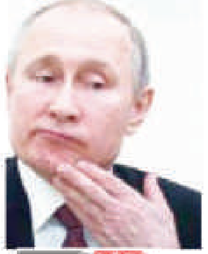

देहरादून, गुरूवार, 14 मार्च 2024

पेज थ्री

मौसम अधिकतम 23.0° न्यूनतम 11.0°

74119.39

2 5 सेकंड बाद ही फट गया रॉकेट कैरोस

7 देश के लिए इंजर्ड और आईपीएल पर फिट

यूसीसी लागू करने वाला पहला राज्य बना उत्तराखंड

नागरिक संहिता विधेयक को मिल गई राष्ट्रपति की मंजूरी, सीएम धामी ने दी बधाई

संवाददाता

देहरादून। समान नागरिक संहिता कानून लागू करने वाला उत्तराखंड पहला राज्य बन गया है। बुधवार को राष्ट्रपति ने नागरिक संहिता विधेयक को मंजूरी दे दी है। सूबे के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस बात की जानकारी दी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करके सीएम धामी ने इस बात की जानकारी दी। सीएम धामी ने लिखा कि हम सभी प्रदेशवासियों के लिए यह अत्यंत हर्ष और गौरव का क्षण है कि हमारी सरकार द्वारा उत्तराखंड विधानसभा में पारित समान नागरिक संहिता विधेयक को आदरणीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु जी ने अपनी मंजूरी प्रदान की है।

उत्तराखंड सरकार ने सामान नागरिक संहिता लागू करने के लिए नियमों / उपनियमों को बनाने के लिए पांच सदस्यीय कमेटी का गठन कर दिया है। नियमावली बनने के बाद उत्तराखंड सरकार द्वारा इसे पूरे राज्य में लागू कर दिया जायेगा। राम मंदिर निर्माण और सीएए कानून लागू होने के बाद समान नागरिक संहिता को लोकसभा चुनाव के पहले भाजपा का बडा दांव माना जा रहा है। पार्टी को इसका लाभ मिल सकता है। चूंकि, समान नागरिक संहिता समवर्ती सूची का विषय है, इस विषय पर राज्य और केंद्र दोनों ही कानून बना सकते हैं। लेकिन समान मुद्दे पर कानून होने पर केंद्र का कानून प्रभावी माना जाता है। इसीलिए इस बिल को उत्तराखंड विधानसभा से पारित होने के बाद राष्ट्रपति की स्वीकृति के लिए भेजा गया था। अब राष्ट्रपति से स्वीकृति मिलने के बाद यह कानून बन गया है। हालांकि, नियम बनाने के बाद ही यह व्यावहारिक रूप से लागू किया जायेगा।

उत्तराखंड सरकार ने इसे कुछ दिनों पहले ही विधानसभा में पारित किया था। विपक्ष ने इस दौरान बहिर्गमन कर अपना विरोध जताया था, लेकिन विपक्ष की चिंताओं को दरकिनार करते हुए भाजपा सरकार ने उत्तराखंड सामान नागरिक संहिता कानून लागू करने के प्रति अपनी वचनबद्धता दोहराई थी। कुछ नेताओं का आरोप है कि यह मुस्लिम समुदाय के खिलाफ है, जबकि भाजपा और केंद्र सरकार लगातार इसे सभी वर्गों के लिए समान रूप से उपयोगी और विकास की दिशा में उठाया गया क्रांतिकारी कदम बताती रही है।

महिला अधिकारों पर केंद्रित विधेयक

विधेयक में मुख्य रूप से महिला अधिकारों के संरक्षण को केंद्र में रखा गया है। कुल 192 पृष्ठों के विधेयक को चार खंडों विवाह और विवाह विच्छेद, उत्तराधिकार, सहवासी संबंध (लिव इन रिलेशनशिप) और विविध में विभाजित किया गया है।

नियम बनाने के लिए पांच सदस्यीय कमेटी का गठन

उत्तराखंड सरकार ने सामान नागरिक संहिता लागू करने के लिए नियमों / उपनियमों को बनाने के लिए पांच सदस्यीय कमेटी का गठन कर दिया है। समान नागरिक संहिता का कानून लागू करने के लिए नियम बनाने वाली पांच सदस्यों वाली कमेटी में पूर्व आईएएस शत्रुघ्न सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता मनु गौर, दून विश्वविद्यालय की कुलपति सुरेखा डंगवाल, अपर पुलिस महानिदेशक अमित सिन्हा और उत्तराखंड के स्थानीय आयुक्त अजय मिश्रा शामिल हैं। यह कमेटी जल्द ही एक मीटिंग कर यूसीसी कानून लागू करने के लिए आवश्यक नियम उप नियम बनाने का काम शुरू करेगी।

यूसीसी कब क्या हुआ

- 27 मई, 2022 को किया गया था कमेटी का गठन
- 43 जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किए थे कमेटी ने
- 72 बैठकें विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित की थी कमेटी ने
- 740 पेज की है चार खंड वाली यूसीसी रिपोर्ट
- 2.32 लाख सुझाव प्राप्त हुए समिति को
- 29 लाख वाट्सएप मैसेज किए गए लोगों को
- 2 फरवरी को कमेटी ने सरकार को सौंपी थी रिपोर्ट
- 6 फरवरी को सीएम धामी ने विस के सदन में पेश की रिपोर्ट
- 7 फरवरी को सदन से सर्वसम्मति से पारित हुआ था विधेयक
- 28 फरवरी को राजभवन ने विधेयक राष्ट्रपति भवन को भेजा 12 मार्च को राष्ट्रपति ने विधेयक को मंजूरी दी

संक्षिप्त समाचार

गढ़वाल और हरिद्वार सीट से प्रत्याशियों का एलान

संवाददाता देहरादून। भारतीय जनता पार्टी ने बुधवार को लोकसभा चुनाव 2024 के लिए प्रत्याशियों की दूसरी लिस्ट जारी कर दी। इस लिस्ट में उत्तराखंड की दो सीटों पर उम्मीदवारों के नामों जिक्र है। पार्टी द्वारा जारी लिस्ट के अनुसार, हरिद्वार से पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत और गढ़वाल से पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रमुख अनिल बलूनी को प्रत्याशी बनाया गया है।

रक्षा मंत्री ने दी तीन लाख पदों पर भर्ती की मंजूरी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राष्ट्रीय कैडेट कोर के विस्तार के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। राजनाथ सिंह ने तीन लाख पदों पर कैडेट की भर्तियों को भी मंजूरी दी है। विस्तार से देश भर के शैक्षणिक संस्थानों में एनसीसी की बढ़ती मांग को पूरा किया जा सकता है। बता दें कि 1948 में एनसीसी में केवल 20,000 कैडेट थे, जो अब 20 लाख कैडेटों की स्वीकृत संख्या तक पहुंच गई है।

भारत प्रगति के लिए चौतरफा काम कर रहा है: प्रधानमंत्री

पीएम मोदी ने तीन सेमीकंडक्टर सुविधाओं की रखी आधारशिला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडियाज टेकेड: चिप्स फॉर विकसित भारत कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान पीएम मोदी करीब 1.25 लाख करोड़ रुपये की तीन सेमीकंडक्टर सुविधाओं की आधारशिला रखी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए तीन सेमीकंडक्टर सुविधाओं की आधारशिला रखी।

पीएम मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, आज का ये दिन ऐतिहासिक है। आज हम इतिहास भी रच रहे हैं और उज्ज्वल भविष्य की तरफ एक बहुत बड़ा मजबूत कदम भी उठा रहे हैं। उन्होंने कहा, आज युवा देख रहे हैं कि भारत किस तरह प्रगति के लिए, आत्मनिर्भरता के लिए, ग्लोबल सप्लाई चेन में अपनी उपस्थिति के लिए चौतरफा काम कर रहा है। इन प्रयासों से उनका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा और आत्मविश्वास से भरा युवा कहीं भी हो, वो अपने देश का भाग्य बदल देता है।

इस अभूतपूर्व अवसर पर हमारे साथ देश के 60 हजार से ज्यादा कॉलेज, यूनिवर्सिटी और एजुकेशन इंस्टीट्यूट भी जुड़े हुए हैं। ये अपने आप में एक रिकॉर्ड ही है। आज हम सुनहरे भविष्य की ओर छलांग लगाते हुए इतिहास रच रहे हैं। हमने भारत में सेमीकंडक्टर विनिर्माण के लिए लगभग 1.25 लाख करोड़ की 3 प्रमुख परियोजनाओं का उद्घाटन किया है। हम एक तरफ देश में तेजी से गरीबी कम कर रहे हैं और दूसरी तरफ भारत में आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का भी निर्माण कर रहे हैं, देश को आत्मनिर्भर भी बना रहे हैं।

21वीं सदी टेक्नोलॉजी ड्रिवेन है

पीएम मोदी ने कहा, 21वीं सदी, टेक्नोलॉजी ड्रिवेन है और इलेक्ट्रॉनिक चिप के बिना उसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। भारत को आत्मनिर्भरता और आधुनिकता की तरफ ले जाएगी। पीएम मोदी ने आगे कहा कि चिप मैन्युफैक्चरिंग सिर्फ एक इंडस्ट्री नहीं है, ये विकास का वो द्वार खोलती है, जो असीम संभावनाओं से भरा हुआ है। इस सेक्टर से न सिर्फ भारत में रोजगार के नए अवसर बनने वाले हैं, बल्कि टेक्नोलॉजिकल एडवांसमेंट के क्षेत्र में भी बड़ी प्रगति होने वाली है।

लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा की आई दूसरी लिस्ट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के लिए अब ज्यादा दिन का वक्त नहीं बचा है। बुधवार को भाजपा ने 72 प्रत्याशियों की दूसरी लिस्ट जारी कर दी है। इस लिस्ट में नितिन गडकरी, मनोहर लाल खट्टर और पीयूष गोयल समेत 72 दिग्गजों के नाम हैं। गडकरी को नागपुर और खट्टर को करनाल लोकसभा सीट से टिकट दिया गया है। इससे पहले पार्टी ने 2 मार्च को 16 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में 195 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की थी। पहली लिस्ट में पीएम नरेंद्र मोदी, अमित शाह और राजनाथ सिंह समेत कई दिग्गजों के नाम शामिल थे।

बुधवार को भाजपाई उम्मीदवारों की लिस्ट जारी होने से पहले मनोहर लाल खट्टर ने हरियाणा विधानसभा में करनाल विधायक पद से इस्तीफा दिया था। खट्टर ने इससे पहले मंगलवार को मुख्यमंत्री पद छोड़ा था। उनके स्थान पर नायब सिंह सैनी को प्रदेश की कमान सौंपी गई थी।

पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश में दोनों लोकसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया गया है। हमीरपुर से अनुराग ठाकुर और शिमला से सुरेश कश्यप को टिकट दिया गया है।

एलान

- गडकरी, खट्टर और पीयूष गोयल समेत 72 नाम

बिहार एनडीए में हुआ सीटों का बंटवारा?

लोकसभा चुनाव को लेकर बिहार एनडीए में सीटों का बंटवारा लगभग फाइनल हो गया है। वहीं सूत्रों की मानें तो बिहार में बीजेपी 17, नीतीश कुमार की जेडीयू 16, चिराग पासवान की लोजपा रामविलास को 5, उपेंद्र कुशवाहा की और जीतन राम मांझी की हम को एक–एक सीट देने पर सहमति बनी है। चिराग पासवान के चाचा और केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस को एक भी सीट नहीं मिली है।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you

What we do

Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.

Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS

Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.

Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. | Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

एक बेहतर उच्च तकनीकि संस्थान है आईआईटी रुड़की

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को भारी उद्योग मंत्रालय भारत सरकार एवं आई. आई. टी रूड़की के मध्य अनुसंधान एवं विकास हेतु ऑटो सेक्टर तथा ई मोबिलिटी के क्षेत्र में उत्कृष्टता एवं उद्योग त्वरक केन्द्र की स्थापना से संबंधित समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हेतु आयोजित कार्यक्रम में राज्य अतिथि गृह, हरिद्वार से वर्चुअली प्रतिभाग किया।

सीएम ने एमओयू के लिए सभी को दी शुभकामनाएं

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की एवं भारी उद्योग मंत्रालय, के मध्य हुए इस एमओयू के लिए सभी को शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि भारत सरकार की दो महत्वपूर्ण इकाइयों के सहयोग से यह पहल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वप्न "विकसित भारत 2047" के निर्माण की दिशा में एक सराहनीय प्रयास है।

आईआईटी रुड़की न केवल उत्तराखंड में, बल्कि पूरे देश में उच्चतम एवं गुणवत्तापरक शिक्षा का प्रतीक ही नहीं, एक बेहतर उच्च तकनीकि संस्थान भी है। यहां के तकनीकि शिक्षा के दक्ष छात्र देश के विभिन्न क्षेत्रों में अपना योगदान दे रहे हैं।

कंगाल पाकिस्तान अब नोट भी नहीं छाप पा रहा!

रिपोर्ट

आधे छपे नोट ही बांटने लगे बैंक, लोगों का फूटा गुस्सा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की आर्थिक बदहाली की हालत पूरी दुनिया के सामने आ चुकी है। देश में रोटी के लिए लोगों की लंबी-लंबी कतारें तो पूरी दुनिया ने देखी हैं, लेकिन अब कंगाली का आलम ये है कि पाकिस्तान का स्टेट बैंक ढंग से नोट भी नहीं छाप पा रहा है। पाकिस्तान ने ऐसे नोट रिलीज कर दिए जो आधे ही छपे हुए हैं। हैरानी की बात तो ये है कि इन नोट को लोगों को देने के लिए बैंकों तक में भी पहुंचा दिया गया। पाकिस्तान के एक बैंक कर्मचारी ने ही इन आधे अधूरे छपे बैंकनोट का वीडियो बना लिया, जिसके बाद सोशल मीडिया पर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा।

पाकिस्तान के प्रमुख अखबार डॉन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, सोशल मीडिया पर आलोचना के बाद स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान ने मंगलवार को आधे प्रिंट नोट के मामले की जांच की घोषणा की है। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में एक शख्स खुद को नेशनल बैंक ऑफ पाकिस्तान की मॉडल कॉलोनी शाखा का मैनेजर बता रहा है। शख्स ने 1000 रुपये के दो नोट पकड़े हुए हैं, जो सिर्फ एक तरफ ही छपे हुए हैं। एक और हैरान करने वाली बात है कि इन नोटों के बारे में बैंक कर्मचारियों को भी तब पता चला जब ग्राहकों ने इन आधे प्रिंट नोटों की शिकायत की।

वायरल वीडियो में कर्मचारी को कहते सुना जा सकता है कि मुझे नहीं पता कि कितने बंडल पहले भेजे जा चुके हैं। हमें इस बारे में तब पता चला जब एक ग्राहक ने इन्हें लौटा दिया। इसके बाद शख्स एक अन्य बैंक कर्मचारी के मेज के पास कैमरा लेकर पहुंचता है, जो नोटों के एक बंडल की जांच कर रहा था। जैसे ही कर्मचारी ने बंडल को पलटना शुरू किया, एक के बाद एक चौथा नोट ऐसा था जो सिर्फ एक ही तरफ से प्रिंट था। मैनेजर ने आगे कहा कि हर बंडल में कम से कम दो नोट इस तरह आधे छपे हुए हैं। आधे छपे बैंक का वीडियो आने के कुछ ही घंटों में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसके बाद पाकिस्तानी लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। एक्स, फेसबुक और इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर करते हुए लोगों ने जमकर भड़ास निकाली। एक यूजर ने एक्स पर लिखा, जब आप बैंक और एटीएम से नकदी निकाल रहे हों तो बहुत सावधान रहें। एक-एक नोट की जांच करें। फ्रॉम कराची नाम के हैंडल से लिखा गया, यह पाकिस्तान सिक्योरिटी प्रिंटिंग प्रेस कराची के प्रिंटिंग स्टाफ की लापरवाही है और स्टेट बैंक भी उतना ही जिम्मेदार है। फेसबुक यूजर फैसल बट ने टिप्पणी की, अगर ये नए बंडल हैं, तो यह स्टेट बैंक का बेहद गैरजिम्मेदाराना व्यवहार है।

न्यूज डायरी

चीनी जासूसी जहाजों के लिए बंगाल की खाड़ी एक पसंदीदा ठिकाना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। चीनी जासूसी जहाजों के लिए बंगाल की खाड़ी एक पसंदीदा ठिकाना बनती जा रही है। इन दिनों भी एक चीनी जासूसी जहाज जियांग यांग होंग 01 बंगाल की खाड़ी में मौजूद है। 24 घंटे पहले यह विशाखापत्तनम बंदरगाह के पास अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में था, जहां से अब दक्षिण पूर्व की ओर आगे बढ़ गया है। इस चीनी जासूसी जहाज की मौजूदगी इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत पनडुब्बी से दागी जाने वाली के-4 मिसाइल के परीक्षण की तैयारी कर रहा है। भारत ने इसके लिए विशाखापत्तनम बंदरगाह के पास एक एरिया वॉर्निंग भी जारी किया हुआ है। के-4 को बीजिंग किलर मिसाइल भी कहा जाता है। इसकी रेंज 4000 किलोमीटर से अधिक है। यह मिसाइल पारंपरिक वॉरहेड के साथ परमाणु हमला करने में भी सक्षम है। सूत्रों के अनुसार, चीनी जासूसी जहाज जियांग यांग होंग 01 की बंगाल की खाड़ी में मौजूदगी काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। अभी तक इस बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं है कि इसके ऑनबोर्ड सेंसर बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण का पता लगा सकते हैं या नहीं। विशेषज्ञों का मानना है कि हिंद महासागर का पानी अविश्वसनीय रूप से शोर वाला है। ऐसे में पनडुब्बियों को ट्रैक करना या संभावित बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च की आवाज सुनना चीनी जासूसी जहाजों के लिए दूर की कौड़ी हो सकती है।

रूसी तेल भारत को कम कीमतों में दिलाने की कोशिश में अमेरिका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के ऊर्जा दूत और वैश्विक बुनियादी ढांचे के सलाहकार एमोस होचस्टीन ने मंगलवार को बताया कि अमेरिका कम कीमतों पर रूसी दिलाने के लिए बातचीत करने में भारत की मदद करने की कोशिश कर रहा है। गत माह मास्को द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण करने के दो वर्ष पूरे होने पर वाशिंगटन ने रूस के प्रमुख टैंकर समूह सोवकाम्फ्लोट पर प्रतिबंध लगाए थे। इससे रूस से तेल के सबसे बड़े खरीदार भारत के समक्ष संकट खड़ा हो गया। होचस्टीन ने एक सम्मेलन में इतर कहा कि मेरा लक्ष्य इसे बाजार से हटाना नहीं है। मैं इन टैंकरों, क्रूड और उत्पाद को बाजार से बाहर लेने के बारे में नहीं सोच रहा हूं। मैं टैंकरो को अलग दिशा में ले जाने के लिए मजबूर कर भारतीयों को बेहतर कीमतों पर बातचीत करने की कोशिश कर रहा हूं। मुझे लगता है कि भारतीय समझते हैं कि हम क्या करने की कोशिश कर रहे हैं। दुनिया के शीर्ष ऊर्जा उत्पादक रूस पर पश्चिमी प्रतिबंधों ने वैश्विक तेल बाजार को स्थानांतरित कर दिया। इस कारण रूस को यूरोप में पारंपरिक ग्राहकों से दूर भारत और चीन में नए ग्राहकों को तेल बेचने पर मजबूत होना पड़ा।

मोदी फिर प्रधानमंत्री बनने जा रहे, वह बेहद लोकप्रिय नेता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिकी कांग्रेसमैन और रिपब्लिकन नेता रिच मैककॉर्मिक ने कहा है कि उन्हें विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी लोकसभा चुनाव जीतेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी बेहद लोकप्रिय हैं। मैंने और अन्य कांग्रेसमैन ने पीएम मोदी के साथ लंच किया और पार्टी लाइन से परे उनकी लोकप्रियता देखी है। मुझे लगता है कि वह 70 प्रतिशत लोगों के बीच लोकप्रिय हैं। वह फिर से प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। मैककॉर्मिक जॉर्जिया का अमेरिकी संसद में प्रतिनिधित्व करते हैं। पीएम मोदी की प्रगतिशील आर्थिक नीतियों और समावेशी दृष्टिकोण के बारे में बात करते हुए मैककॉर्मिक ने उनके नेतृत्व में भारत की सालाना चार से आठ प्रतिशत तक की आर्थिक वृद्धि की सराहना की। उन्होंने वैश्विक मंच पर भारत के रणनीतिक संबंधों के महत्व और विश्व अर्थव्यवस्था पर इसके संभावित प्रभाव पर प्रकाश डाला। भारत की आर्थिक नीतियों में संरक्षणवाद के कुछ तत्वों को स्वीकार करते हुए, मैककॉर्मिक ने भारत और अमेरिका के बीच विश्वास और सहयोग के महत्व को रेखांकित किया, विशेष रूप से प्रौद्योगिकी-साझाकरण प्रयासों में। उन्होंने लोकतांत्रिक सिद्धांतों और अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी के प्रति भारत की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए भारत के दृष्टिकोण की तुलना चीन से की।

सत्ता में आते ही कैपिटल हिल दंगों के बंधकों को करूंगा मुक्त

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकल्प लिया कि वह पद संभालने के पहले दिन ही छह जनवरी के कैपिटल हिल दंगों के मामले में जेल में बंद लोगों को रिहा कर देंगे।

कैपिटल हिल दंगों के आरोपितों को बंधक करार देते हुए ट्रंप ने कहा कि राष्ट्रपति बनने के बाद दक्षिणी सीमा को बंद करना भी उनकी पहली प्राथमिकता होगी। वह रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार है।

ट्रंप ने देरशत इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर लिखा कि आपके अगले राष्ट्रपति के रूप में मेरा पहला कार्य सीमा को बंद करना और छह जनवरी को गलत तरीके से जेल में बंद किए गए बंधकों को मुक्त करना होगा।

अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप के चुनाव हारने और बाइडन की जीत की वैधता का विरोध करने के लिए दंगाइयों द्वारा इमारत पर हमला करने पर यूएस कैपिटल के उल्लंघन से जुड़े अपराधों के लिए लगभग सभी 50 अमेरिकी राज्यों के लिए 1350 लोगों पर आरोप लगाए गए। इनमें से कम से कम 560 प्रतिवादियों को सजा मिली और कम से कम 335 लोगों को जेल की सजा सुनाई गई।

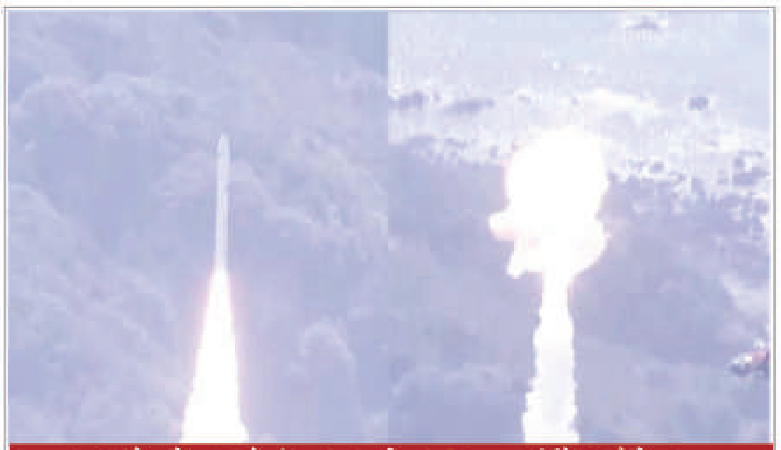

उड़ान भरने के 5 सेकंड बाद ही फट गया रॉकेट कैरोस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) टोक्यो। जापान की स्पेस वन कंपनी का रॉकेट उड़ान भरने के तुरंत बाद ही फट गया। स्पेस वन कंपनी के रॉकेट ने बुधवार को उड़ान भरी थी। हालांकि, कैरोस रॉकेट उड़ान भरने के कुछ सेकेंड बाद ही फट गया। जानकारी के अनुसार, यह जापान की स्पेस वन कंपनी द्वारा किसी उपग्रह को कक्षा में स्थापित करने का पहला प्रयास था। हालांकि, स्पेस वन कंपनी का ये प्रयास विफल रहा। बता दें कि भारतीय समयानुसार सुबह 7:30 बजे पश्चिमी जापान के वाकायामा प्रांत में प्रक्षेपण स्थल पर कैरोस रॉकेट ने उड़ान भरी थी। हालांकि, 18-मीटर लंबे, चार चरण वाले ठोस-ईंधन रॉकेट के उड़ान भरने के बाद उसमें विस्फोट हो गया। ये घटना कैमरे में कैद हो गई।

कनाडा में भारतीय उच्चायुक्त पर तलवार से हमले की कोशिश

▪खालिस्तानियों के निशाने पर भारतीय अधिकारी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

ओट्टावा। कनाडा में भारत के उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा के ऊपर खालिस्तान समर्थक प्रदर्शनकारियों ने तलवार से हमला करने की कोशिश की, जिसे कनाडा की पुलिस ने नाकाम कर दिया। घटना उस समय हुई जब वर्मा 11 मार्च को इंडो-कनाडियन चौंबर ऑफ कॉमर्स की तरफ से आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए एडमोंटन पहुंचे थे। इस दौरान खालिस्तान समर्थकों ने वर्मा के खिलाफ अपमानजनक नारे भी लगाए। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें देखा जा रहा है कि हथियार लेकर आगे बढ़ रहे खालिस्तान समर्थकों को कनाडाई पुलिस के जवान धक्का देकर पीछे धकेल रहे हैं।

कनाडा में भारतीय मिशन में काम कर रहे अधिकारी पिछले कुछ समय से खालिस्तान समर्थक गुंडों के निशाने पर हैं। सिख अलगाववादी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू की एक अपील के बाद इसमें तेजी आई है, जिसमें पन्नू ने हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर भारतीय दूतावास को निशाना बनाने की अपील की थी। सिख अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर की ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में जून 2023 में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले को लेकर भारत और कनाडा आमने-सामने आ गए थे, जब कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने इसके पीछे भारतीय एजेंटों के होने की आशंका जताई थी।

11 मार्च की घटना के दौरान खालिस्तानी प्रदर्शनकारियों ने भारतीय उच्चायुक्त और भारत के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान एक प्रदर्शनकारी ने भारतीय तिरंगे का भी अपमान किया। खालिस्तानी गुंडों ने कार्यक्रम को बाधित करने की भी कोशिश की। भारतीय उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा ने द हिंदू अखबार से बातचीत में बताया कि ख्वालिस्तान समर्थक तत्वों ने कार्यक्रम में बाधा डालने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हुए।

भारत के खिलाफ कनाडा के दावों की 5 आइज न्यूजीलैंड ने हवा निकाली

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के उप प्रधानमंत्री विंस्टन पीटर्स ने खालिस्तान अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में कथित भारतीय लिंक के कनाडा के दावे पर संदेह जताया है। न्यूजीलैंड उस फाइव-आईज खुफिया गठबंधन का सदस्य है, जिसके साथ कनाडा ने भारत के शामिल होने वाला वह कथित सबूत साझा किया था। इस गठबंधन के अन्य सदस्यों में अमेरिका, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं। विंस्टन पीटर्स इन दिनों भारत की आधिकारिक यात्रा पर हैं। उन्होंने कहा कि जब इस कथित सबूत को साझा किया गया था, तब वह इस मामले को हैंडल करने वाली पिछली सरकार में शामिल नहीं थे। पीटर्स ने कहा, तब मैं वहां नहीं था। इस मामले को पिछली सरकार ने संभाला था। लेकिन देखिए, कभी-कभी आप फाइव-आईज की खुफिया जानकारी को सुनते हैं तो आप सिर्फ सुनते हैं, कुछ कहते नहीं हैं।

Page Three
Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

हमारे राज्य एवं देश का विकास सीमांत क्षेत्रों के विकास से ही संभव: सीएम

शिलान्यास

मुख्यमंत्री ने गोपेश्वर में आयोजित लाभार्थी सम्मान समारोह में किया प्रतिभाग

संवाददाता

चमोली। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को जनपद चमोली के पुलिस मैदान गोपेश्वर में आयोजित ''लाभार्थी सम्मान समारोह'' में प्रतिभाग करते हुए ₹ 229.3 करोड़ की विभिन्न विकास योजनाओं का लोकापर्ण एवं शिलान्यास किया। जिसमें 44.13 करोड़ की योजनाओं का लोकापर्ण एवं 185.17 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास शामिल है।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने जनपद के विकास के लिए कई घोषणाएं भी की जिसमें हापला–घोतीधार मोटर मार्ग निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा किए जाने, दशोली ब्लाक में गोपेश्वर मंदिर मार्ग से बैतरणी – सिरखोमा–सेंटुणा – बैरागणा मोटर मार्ग के किलोमीटर एक से लेकर सेंटुणा तक मोटर मार्ग का निर्माण हेतु शासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की जाने, कर्णप्रयाग में लामबगड के अंतर्गत गंगानगर माई मंदिर से

भैरव तोक तक रामगंगा नदी पर झूला पुल का निर्माण किए जाने, थराली विधानसभा में चार विकास खंडों में गौ–संरक्षण सेवा की स्थापना किए जाने एवं थराली कुलसारी में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की जनहित में स्वीकृति दी जाने की घोषणा शामिल है।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने अटल आवास योजना के अंतर्गत निर्मित भवनों के 02 लाभार्थियों को प्रतीकात्मक तौर पर घर की चाबी सौंपी। जिसमें मथुरा लाल और मुकेश लाल शामिल है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत नीलम देवी को द्वितीय किश्त के तहत 60 हजार का चेक प्रदान किया। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत संगीता देवी और गुड्डी देवी को घर की चाबी प्रदान की। मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के अंतर्गत राजेश्वरी देवी और नरेन्द्र सिंह को 50–50 हजार रुपये का अंशदान धनराशि के चेक प्रदान किए। महिला सशक्तिकरण के तहत मन्दोदरी देवी को महालक्ष्मी किट प्रदान किया। उल्लेखनीय कार्य के लिए युवक मंगल दल बूरा को 75 हजार और महिला मंगल दल आला जोखना 37 हजार 500 की प्रोत्साहन राशि के चेक प्रदान किए। देवभूमि मत्स्य जीवी सहकारिता समिति को 20 लाख का चेक प्रदान किया।

मुख्यमंत्री ने भगवान गोपीनाथ की पवित्र धरा गोपेश्वर को नमन करते हुए कहा कि स्थानीय लोगों का जनसैलाब, मेरे लिए किसी प्रेरणा से कम नहीं है। आम जन के आशीर्वाद, उत्साह और उमंग से उन्हें और अधिक काम करने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा सीमांत क्षेत्र चमोली का विकास केंद्र एवं राज्य सरकार की प्राथमिकता है। हमारे राज्य एवं देश का विकास सीमांत क्षेत्रों के विकास से ही संभव है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार समाज के अंतिम छोर में खड़े व्यक्ति तक हर योजना का लाभ पहुंचाने का प्रयास कर रही है।

सूचना

मैं रईस अहमद (RAIES AHMED) पुत्र नसीर अहमद,मेरी वास्तविक जन्म तिथि 01 जून 1965 है, तथा मैं वर्तमान में लेन न0– 3, समीप मक्का मस्जिद, कारगी ग्रांट,देहरादून पर निवास कर रहा हूँ।
यह कि मेरे ड्राइविंग लाइसेंस पर मेरे नाम की मात्रा (RAYEES AHMED) अंकित हो गई है, जोकि गलत है, तथा जन्म तिथि 01 जनवरी 1965 अंकित हो गई है, जोकि यह भी गलत है। मेरे निवास का पुराना पता 178/25 लक्खी बाग देहरादून था।
अतः मैं अपने पूर्ण होसो–हवास में समस्त जनमानस को यह सूचित करता हूँ कि मैं रईस अहमद (RAIES AHMED) पुत्र नसीर अहमद,मेरी वास्तविक जन्म तिथि 01 जून 1965 है, तथा मैं वर्तमान में लेन न0–3,समीप मक्का मस्जिद, कारगी ग्रांट,देहरादून पर निवास कर रहा हूँ। यही मेरा वास्तविक नाम तथा जन्म तिथि एवम निवास स्थान है जोकि सत्य एंव सही है।

(RAIES AHMED)
मो0 9412955403

रंवाई घाटी की पहचान को अन्यत्र दिए जाने से आक्रोशित हैं किसान

संवाददाता पुरोला। रंवाई घाटी के च्वार धान (लाल चावल) के जीआई टैग में हुई अनियमितता को लेकर फिर मुखर हुते सिराईं के काश्तकार, लाल चावल को राज्य के अन्य क्षेत्र का बताकर जीआई टैग करने के मामले को लेकर बुद्धवार को क्षेत्र के काश्तकारों ने उपजिलाधिकारी देवानंद शर्मा के माध्यम से जिलाधिकारी को ज्ञापन दिया।

ज्ञापन में कहा गया है कि लाल चावल केवल रंवाई घाटी के कमल सिराईं,रामा सिराईं व गड्डूगाड पट्टी का विशेष ओषधीय गुणों से भरपूर एकमात्र पारम्परिक उत्पाद है जिसके उत्पादन के लिए केवल इसी क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियां ही अनुकूल हैं लेकिन कृषि विभाग की लापरवाही व मिलीभगत से क्षेत्र के प्रसिद्ध उत्पाद लाल चावल को किसी निजी संस्था के माध्यम से अन्यत्र का दिखाकर जीआई टैग करवाया गया जो सरासर रंवाई की पहचान लाल चावल उत्पादन के साथ एक अन्याय है और यंहा के काश्तकारों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ है।

ज्ञापन में कहा गया है कि वर्ष 2015–16 में लाल चावल के उत्पादन को लेकर पहले ही रंवाई घाटी के सिराईं व गड्डूगाड पट्टी को वीवीपी व एफआरए प्राधिकरण व अधिनियम 20011 के अंतर्गत प्रमाणपत्र भी मिल चुका है जो 2022 में प्राप्त हुवा है। एक ही फसल को दूसरे स्थानों का उत्पाद बताकर जिसका पहले ही पेटेंट हो चुका को यह सरासर क्षेत्र के मेहनतकश किसानों के साथ धोखा है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्तियो का 25 वें दिन धरना जारी

संवाददाता पुरोला। फरवरी माह की 20 तारीख से तहसील प्रांगण पुरोला में आंगनबाड़ी कार्यकर्तियो का विभिन्न मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन चल रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को प्रेषित ज्ञापन में आंगनबाड़ी कार्यकर्तियो ने समय रहते संघ की कार्यकर्तियो से वार्ता की अपील की है । मुख्यमंत्री को प्रेषित ज्ञापन में आंगनबाडी कार्यकर्तियो को राज्य कर्मचारी घोषित करने की मांग की गई है। साथ ही राज्य कर्मचारी घोषित होने तक काम के बदले उचित मानदेय प्रतिदिन की न्यूनतम 600 हो रुपए मजदूरी 18 हजार रुपये प्रति माह देने की मांग की है। आंगनबाडी कार्यकर्तियो ने मानदेय के अतिरिक्त भारत सरकार की सहमति के अनुसार आंगनबाडी केंद्रों के शीघ्र उच्चीकरण, आंगनबाड़ी कार्यकर्तियो के लिए भविष्य निधि की सुविधा प्रदान करने, सेवानिवृत्ति की आयु 62 वर्ष करने, पेंशन व ग्रेज्युटी की मांग की है। धरना प्रदर्शन करने वालो में सीमा, रेखा, पुलमा, सुनीता व अनिता सहित 2 दर्जन से अधिक आंगनबाडी कार्यकर्तिया मौजूद रही ।

न्यूज डायरी

स्मार्ट सिटी के कार्यों में तेजी लाने के लिए प्रयास करे प्रशासन

संवाददाता देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल और प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी ने आज एक संयुक्त विज्ञप्ति जारी करते हुए जिला प्रशासन से मांग की है कि वह स्मार्ट सिटी के कार्यों में तेजी लाने के लिए प्रयास करें। स्मरण रहे कि मार्च का महीना भी लगभग आधा बीत चुका है और सरकार के निर्देश हैं कि जून तक स्मार्ट सिटी के कार्य पूरे हो जाने चाहिए लेकिन लगता नहीं है कि जून तक भी स्मार्ट सिटी के कार्य पूरे होंगे इसके बाद बरसात लग जाती है शहर की सड़कों की दशा भी दयनीय है जगह–जगह गड्ढे हैं जो किसी भी दुर्घटना को दावत देते नजर आ रहे हैं समिति के प्रभात डंडरियाल और आरिफ वारसी ने उम्मीद ही नहीं विश्वास भी जताया हैं कि प्रदेश सरकार बरसात से पहले ही स्मार्ट सिटी के कार्य पूरा कराएगी ताकि किसी भी अनहोनी से बचा जा सके।

गोपेश्वर में सीएम धामी का भव्य रोड शो में उमड़ा जन सैलाब

संवाददाता चमोली। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बुधवार को एक दिवसीय दौरे पर गोपेश्वर पहुंचे। उन्होंने गोपेश्वर बस स्टेशन से पुलिस मैदान तक विशाल रोड शो किया। सीएम के रोड शो में अपार जन सैलाब उमड़ा। सीएम के गोपेश्वर पहुंचने पर जगह जगह भारी संख्या में उनके चाहने वालों की भीड़ देखने को मिली। लोगों ने पुष्प वर्षा करते हुए सीएम धामी का भव्य स्वागत किया।

40 वर्ष की उम्र के बाद वर्ष में एक बार अवश्य आखों की कराएं जांच

संवाददाता रुद्रप्रयाग। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तत्वावधान में राष्ट्रीय दृष्टिविहीनता नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत विश्व ग्लूकोमा सप्ताह का शुभारंभ हो गया। अभियान के पहले दिन जवाड़ी में नेत्र जांच शिविर में 32 ग्रामीणों की स्क्रीनिंग व 20 को चश्में वितरित किए गए। इस अवसर पर ग्रामीणों को ग्लूकोमा के लक्षण व बचाव के बारे में भी जागरूक किया गया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एचसीएस मर्तोलिया ने अवगत कराया कि 18 मार्च 2023 तक ग्लूकोमा से नेत्र सुरक्षा हेतु जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में सीएचओ को 18

18 मार्च तक चलेगा ग्लूकोमा जागरूकता अभियान

मार्च तक विशेष अभियान चलाकर ग्रामीणों को ग्लूकोमा से बचाव हेतु जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि नेत्र संबंधी विकारों से संबंधित जांच एवं उपचार नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध है। नेत्र विकार व अन्य स्वास्थ्य संबंधी जानकारी व सलाह के लिए निःशुल्क हेल्प लाइन 104 पर संपर्क किया जा सकता है व ऑनलाइन ओपीडी सेवा में पंजीकरण कर घर बैठे चिकित्सक से स्वास्थ्य परामर्श ले सकते हैं।

वहीं, अभियान के शुभारंभ दिवस पर जखोली ब्लाक के ग्राम जवाड़ी में आयोजित नेत्र जांच शिविर में 32 लोगों की स्क्रीनिंग की गई व 20 को निःशुल्क चश्में वितरित किए गए। शिविर के द्वितीय सत्र में व जागरूकता गोष्ठी में नेत्र सहायक राजेश पुरोहित द्वारा ग्लूकोमा के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। बताया गया कि अक्सर सिरदर्द रहना, बार–बार चश्में का नंबर बदलना, अंधेरे कमरों में दृष्टि समायोजन में कठिनाई होना, तेज रोशनी के चारों ओर इंद्रधनुषिया गोला दिखाई देना, आंख व चेहरे में दर्द, उल्टी की शिकायत होना ग्लूकोमा का लक्षण है। सीएचओ द्वारा सभी 40 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों से वर्ष में एक बार अनिवार्य रूप से आखों की जांच करवाने की अपील की।

हैशटैग फुलीलोडेड स्मार्टफोन आईकू जेड9 लॉन्च

संवाददाता देहरादून। हाई–परफॉर्मेंस स्मार्टफोन ब्रांड आईकू ने आज भारत में अपने जेड सीरीज पोर्टफोलियो से हैशटैग फुलीलोडेड स्मार्टफोन – आईकू जेड9 लॉन्च किया है। मीडियाटेक डाइमेंसिटी 7200 5जी 4एनएम प्रोसेसर द्वारा संचालित, आईकू जेड9 730के प्लस के एन टू टू स्कोर के साथ जबरदस्त प्रदर्शन का वादा करता है, जो इसे सेगमेंट में सबसे तेज बनाता है। यह सेगमेंट के पहले सोनी आईएमएक्स 882 रियर कैमरा सिस्टम, ओआईएस क्षमता के साथ 4के वीडियो रिकॉर्डिंग और 1800 निट्स पीक लोकल ब्राइटनेस के साथ सबसे चमकदार 120 हर्ट्ज अमोल्ड डिस्प्ले होने का भी दावा करता है। डुअल स्टीरियो स्पीकर म्यूजिक, ओटीटी वीडियो और गेम के लिए सराउंड साउंड प्रदान करते हैं। बोल्ड रियर कैमरा मॉड्यूल और ब्रश टेक्सचर्ड डिजाइन डिवाइस में सिर्फ 7.83 मिमी की मोटाई के साथ एक बेहतरीन टच जोड़ते हैं।

डेस्टिनेशन

उत्तराखण्ड

प्रगति की ओर अग्रसर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का उत्तराखण्ड विशेषकर बद्रीनाथ और केदारनाथ के साथ गहरा संबंध है और उनकी यात्राओं और इन प्रमुख तीर्थ स्थलों के विकासकार्यों के लिए किए गए दूरदर्शी प्रयासों में साफ देखा जा सकता है

बद्रीनाथ और केदारनाथ से मिल रहा आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा

"माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में हम अपने राज्य के समग्र विकास, यहां की प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और अपार संभावनाओं को निखारने के लिए प्रतिबद्ध हैं। राज्य की प्रगतिशील नीतियों और रणनीतिक पहल के माध्यम से हम आर्थिक विकास को बढ़ावा देना, बुनियादी ढांचे में सुधार करने और नागरिकों के लिए जीवन की गुणवत्ता को बेहतर की दिशा में अग्रसर हैं। हमारा लक्ष्य उत्तराखण्ड को प्रगति का एक मॉडल बनाना है जहां परंपरा और नवीनता का संगम होता है और जहां हर व्यक्ति राज्य की समृद्धि और कल्याण के लिए कार्य कर विकास में योगदान देता है।

पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

सुरम्य उत्तरी राज्य उत्तराखण्ड अपने आध्यात्मिक महत्व और प्राकृतिक सुंदरता के लिए विश्व प्रसिद्ध है। यहां भक्तों और आगंतुकों को समान रूप से आकर्षित करने वाले विभिन्न स्थलों में से एक बद्रीनाथ और केदारनाथ है। यहां श्रद्धालु व भक्त शांति का अनुभव करने के लिए आते हैं। इन पवित्र स्थानों को पुनर्स्थापित करने और आध्यात्मिक पर्यटन के लिए यहां की संभावनाओं का सामने लाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विशेष रुचि दिखाई है। उनके दिशा-निर्देशन व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में पूरी समर्पण और प्रतिबद्धता से उत्तराखण्ड में परिवर्तनकारी कार्यों पर विशेष बल दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का उत्तराखण्ड के बद्रीनाथ और केदारनाथ के साथ गहरा संबंध को हम सबने देखा है। यह बात उनकी यात्राओं और इन प्रतिष्ठित तीर्थ स्थलों के उत्थान के लिए दूरदर्शी प्रयासों से स्पष्ट झलकता है। बाबा केदार के प्रति उनकी श्रद्धा, केदारनाथ धाम की समय-समय पर यात्राओं के माध्यम से प्रदर्शित होती है। यह इस क्षेत्र की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत के प्रति उनके समर्पण को भी उजागर करती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महत्वकांक्षा बद्रीनाथ और केदारनाथ धाम को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देकर उत्तराखंड को विश्व पटल पर लाने की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस दृष्टिकोण का सबसे महत्वपूर्ण पहलू केदारनाथ धाम का पुनर्निर्माण है, जो प्रधानमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल की शुरुआत से ही उनके दिल के करीब रहा है। 2013 की विनाशकारी बाढ़ के बाद केदारनाथ के पुनरुद्धार की आवश्यकता पर उन्होंने जोर दिया।

ऐसे में, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह सुनिश्चित किया कि पुनर्निर्माण ऐसा होना चाहिए, जिससे धाम की प्रतिभा और दिव्यता को पूर्ण रूप में प्रदर्शित किया जा सके। इसमें आदि गुरु शंकराचार्य की प्रतिमा के निर्माण से लेकर प्रगति का प्रत्यक्ष अवलोकन करने तक, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रणनीति केदारनाथ की पवित्रता बनाए रखने के प्रति उनके समर्पण को दर्शाती है।

इसके अलावा, उत्तराखण्ड के आध्यात्मिक बुनियादी ढांचे के समग्र विकास को धरातल पर उतारने के लिए प्रधानमंत्री मोदी के रणनीतिक प्रयास अब केदारनाथ और उसके आगे के क्षेत्रों तक फैल चुके हैं। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की तर्ज पर बद्रीनाथ धाम मास्टर प्लान जैसी परियोजनाएं, बद्रीनाथ को एक स्मार्ट आध्यात्मिक पहाड़ी शहर में बदलने के प्रयास को दर्शाती हैं। दिल्ली-देहरादून आर्थिक कॉरिडोर और ऋषिकेश कर्णप्रयाग रेल परियोजना भी इन पवित्र स्थलों तक कनेक्टिविटी और पहुंच में सुधार प्रधानमंत्री के समर्पण को उजागर

उत्तराखण्ड के आध्यात्मिक महत्व को बनाए रखने के साथ केदारनाथ में पुनर्निर्माण कार्यों ने उसके पूर्व गौरव को बढ़ा दिया है, जो दुनिया भर से तीर्थ यात्रियों को राज्य की ओर आकर्षित कर रहा है

करती है। इन प्रयासों के चलते उत्तराखण्ड में आध्यात्मिक पर्यटन और तीर्थयात्रियों की संख्या में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। ऑल वेदर रोड परियोजना, जिसे चारधाम सड़क परियोजना के रूप में भी जाना जाता है, यह उत्तराखण्ड के चार धामों को जोड़कर भक्तों और आगंतुकों के लिए निर्बाध यात्रा को संभव बनाने वाली एक महत्वपूर्ण योजना है। इसी तरह से ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना, अपनी उद्यमशीलता और सरल तकनीक के साथ केदारनाथ और आस-पास के क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार करने के लिए संकल्पित है। केदारनाथ और बद्रीनाथ का महत्व जितना आध्यात्मिक है, उतना ही यह अपनी प्राकृतिक सौन्दर्यता के लिए भी विश्व स्तर पर श्रद्धालुओं और प्रकृति प्रेमियों को आकर्षित करता है। हिमालय की बर्फ से ढकी चोटियों के बीच स्थित केदारनाथ 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक के रूप में प्रसिद्ध है। यह प्रतिष्ठित चारधाम यात्रा का अहम पड़ाव भी है। यहां के आध्यात्मिक महत्व को बनाए रखने के साथ जुड़े पुनर्निर्माण उपायों ने केदारनाथ को उसका पुराना गौरव पाने में मदद की है, जिससे दुनिया भर से तीर्थयात्री आकर्षित होकर यहां आ रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा हाल ही में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के उद्घाटन से केदारनाथ में नए विकास पर बल दिया जा रहा है। आदि गुरु शंकराचार्य की प्रतिमा के अनावरण से लेकर सरस्वती रिटेनिंग वॉल और तीर्थ पुरोहित घरों जैसी आवश्यक परियोजनाओं का उद्घाटन करने तक, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यात्रा उत्तराखण्ड की आध्यात्मिक विरासत को बढ़ावा देने के लिए समर्पण का प्रतीक है। केदारनाथ के साथ उनका भावनात्मक जुड़ाव, उनकी सच्ची बातें श्रद्धालुओं बीच गूंजती हैं और इन धार्मिक स्थानों के महत्व को विस्तार देती हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा ऐसे उद्यमों का परिवर्तनकारी प्रभाव बुनियादी ढांचे के विकास से आगे बढ़ता है, जिससे उत्तराखण्ड में समावेशी विकास और पर्यटन को बल मिलता है। नीतिगत प्रोत्साहन और क्षेत्रीय प्राथमिकता, विशेष रूप से पर्यटन और नवीकरणीय ऊर्जा पर उनके फोकस ने उत्तराखण्ड को निरंतर विकास करने वाले अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित किया है। बुनियादी ढांचे के विस्तार में राज्य की प्रगति और प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग के प्रति उनके समर्पण ने न केवल अर्थव्यवस्था को बल दिया है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी प्रतिभा का प्रदर्शन भी किया है। बद्रीनाथ और केदारनाथ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अटूट आस्था ने उत्तराखण्ड में आध्यात्मिक पर्यटन के पुनरुद्धार को प्रेरित किया है। दूरदर्शी प्रयासों और नए विकास कार्यों के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इन धार्मिक स्थानों को पुनर्स्थापित कर समृद्धि और विस्तार के एक नए युग की शुरुआत भी की है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं हाल के वर्षों में हासिल की गई अविश्वसनीय उपलब्धियों के लिए उत्तराखण्ड सरकार को हार्दिक बधाई देता हूं। यह सराहनीय प्रगति पर्यटन और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे उन्नत क्षेत्रों पर ध्यान देने के साथ रणनीतिक दृष्टिकोण का उदाहरण भी प्रस्तुत करती है। बुनियादी ढांचे के विकास में सुधार, सतत विकास के लिए बेहतर मानक स्थापित होते देखकर मुझे खुशी होती है। अपने प्राकृतिक संसाधनों और पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में उत्तराखण्ड की रणनीति न केवल इसकी अर्थव्यवस्था को मजबूत करती है, बल्कि वैश्विक स्तर पर क्षमता को भी प्रदर्शित करती है। मैं समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए राज्य के समर्पण की प्रशंसा करता हूं और आने वाले वर्षों में लगातार प्रगति की भी आशा करता हूं।

"मैं पिछले कुछ वर्षों में हुई उल्लेखनीय प्रगति के लिए उत्तराखण्ड सरकार को बधाई देता हूं। ऐसा निरंतर नीतिगत प्रोत्साहन, पर्यटन और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान देने के चलते संभव हुआ है। इसके साथ ही, राज्य ने बुनियादी ढांचे के विकास में महत्वपूर्ण प्रगति की है और सतत विकास के लिए नए मानक स्थापित किए हैं। प्राकृतिक संसाधनों के साथ पर्यटन को बढ़ावा देने की उत्तराखण्ड की प्रतिबद्धता ने न केवल राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान किया है, बल्कि वैश्विक मंच पर क्षमता को भी प्रदर्शित किया है। मैं समावेशी विकास के प्रति राज्य के समर्पण की सराहना करता हूं और आने वाले वर्षों में निरंतर सफलता की आशा करता हूं।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

वेडिंग डेस्टिनेशन के तौर पर उभर रहा उत्तराखण्ड

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी मार्ग दर्शन में उत्तराखण्ड दुनिया के सबसे बेहतरीन वेडिंग डेस्टिनेशन में से एक बनकर उभर रहा है

देश के उत्तरी क्षेत्र में हिमालय की प्राकृतिक सुंदरता के बीच स्थित उत्तराखण्ड अपने आध्यात्मिक महत्व, सुंदर पहाड़ियों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए जाना जाता है। इसे देवताओं की भूमि या 'देवभूमि' के रूप में भी जाना जाता है। यही कारण है कि उत्तराखण्ड श्रद्धालुओं के लिए सबसे प्रतिष्ठित तीर्थ स्थलों में से एक के रूप में जाना जाता है। हालांकि, राज्य ने पिछले कुछ वर्षों में बड़े बदलाव देखे हैं, जो इसे एक आध्यात्मिक गंतव्य के तौर पर विकसित कर रहे हैं। इसके साथ ही हाल के वर्षों में डेस्टिनेशन वेडिंग काफी ट्रेंड में रही है और इस दिशा में भी उत्तराखण्ड किसी से पीछे नहीं है। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी मार्गदर्शन का ही परिणाम है कि उत्तराखण्ड डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए सबसे तेजी से उभरते राज्यों में एक बनने की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। उत्तराखण्ड को सर्वश्रेष्ठ विवाह स्थल बनाने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विचार राज्य की असीम संभावनाओं में उनके विश्वास को दर्शाता है। दिसंबर 2023 में देहरादून में उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के उद्घाटन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने युवाओं को 'वेड इन इंडिया' अभियान शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया था। इस दौरान उन्होंने संपन्न परिवारों से अपने विवाह के लिए उत्तराखण्ड को डेस्टिनेशन के रूप में चुनने का आह्वान किया था। अपनी प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक विरासत के चलते उत्तराखण्ड एक आदर्श विवाह स्थल के रूप में तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। नैनीताल की शांत झील से लेकर औली की बर्फ से ढकी पहाड़ियों तक राज्य का हर भू-भाग करिश्माई आकर्षण का अनुभव कराता है। जो लोग अपने विवाह को अविस्मरणीय अनुभव देना चाहते हैं, वे अपने वैवाहिक समारोहों की मेजबानी टिहरी की शांत झील, मसूरी की खूबसूरत पहाड़ियों या हरिद्वार के प्राचीन मंदिरों में कर सकते हैं। जो बातें उत्तराखण्ड को शादियों के लिए एक अद्वितीय गंतव्य बनाती हैं।

वह न केवल इसके आश्चर्यजनक स्थल हैं, बल्कि इसकी समृद्ध विरासत और जीवंत संस्कृति भी है। राज्य में आयोजित होने वाली शादियां केवल एक समारोह से कहीं बढ़कर होते हैं। ऋषिकेश के आध्यात्मिक वातावरण से लेकर त्रियुगीनारायण की पवित्र ज्योति तक हर स्थान राज्य की सांस्कृतिक छवि की एक अनूठी झलक देखने को मिलती है। साथ ही, प्रधानमंत्री मोदी की धारणा एकजुटता के उत्सव से कहीं बढ़कर है। यह राज्य में डेस्टिनेशन वेडिंग को प्रोत्साहित करके स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने और उत्तराखण्ड के लोगों के जीवन का स्तर बेहतर बनाने के लिए तत्पर है। इससे आगंतुकों की आमद और निवेश की संभावनाओं से रोजगार पैदा करने, बुनियादी ढांचे को समृद्ध बनाने और समग्र विकास को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।

डेस्टिनेशन वेडिंग के आयोजन के लिए उत्तराखण्ड में त्रियुगीनारायण, ऋषिकेश, जोशीमठ, शांति कुंज हरिद्वार, स्वर्ण मंदिर, चकराता, हर्षिल, देहरादून, कनाताल, मसूरी, औली, टिहरी झील, रामनगर, नरेन्द्रनगर, चंद्रताल, नैनीताल, अल्मोड़ा, रानीखेत, भीमताल, रामगढ़, मुक्तेश्वर, रानीगढ़, नौकुचियाताल, और घोड़ाखाल आदि प्रसिद्ध स्थानों में शामिल है।

डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए उत्तराखण्ड को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दृष्टिकोण उन सभी चीजों को बढ़ावा देता है, जो इस राज्य को उन्नत बनाती है। उत्तराखण्ड पर्यटन के क्षेत्र में एक वैश्विक राज्य बनने के लिए पूरी तरह तैयार है। यहां पर्यटक, रोमांच और उद्यम राज्य की ओर आकर्षित हो रहे हैं क्योंकि उत्तराखण्ड सर्वोत्तम योगाभ्यास, रोमांचक खेल और सांस्कृतिक अनुभव प्रदान करता है।

धार्मिक वैभव को पुनर्जागृत करता मानसखंड मंदिर माला मिशन

'मानसखंड मंदिर माला मिशन' के हृदय स्थल के रूप में यहां के 48 पौराणिक मंदिरों को पुनर्जीवित और पुनर्स्थापित किया जा रहा है। इसमें कुमाऊं के विभिन्न जिलों में फैले 16 पौराणिक मंदिरों पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है।

उत्तराखण्ड कई प्राचीन मंदिरों और पवित्र स्थलों की भूमि है। यही कारण है कि यह देवभूमि के रूप में विश्वविख्यात है। ये मंदिर कुमाऊं क्षेत्र में फैले हुए हैं और लंबे समय से आस्था और भक्ति के प्रतीक के रूप में लोगों के दिलों में बसे हैं। यहां दुनिया के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालुओं का आना लगा रहता है। उत्तराखण्ड की वादियों में स्थित ऐसे मंदिरों तक भक्तों और श्रद्धालुओं की पहुंच बनाने को लेकर धामी सरकार विशेष प्रयास कर रही है। प्रदेश के ऐसे कई धार्मिक स्थलों, जिनके बारे में भक्तों को ज्ञात नहीं है, उनकी भव्यता से साक्षात्कार कराने के लिए कनेक्टिविटी को बेहतर करने की दिशा में काम किए जा रहे हैं। उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इन मंदिरों के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व को समझते हैं और मंदिरों के वास्तुशिल्प चमत्कारों को पुनर्स्थापित और पुनर्जीवित करने के लिए 'मानसखंड मंदिर माला मिशन' के तहत एक दूरदर्शी पहल शुरू की है। इस प्रयास का मूल 48 पौराणिक मंदिरों को पुनर्जीवित और पुनर्स्थापित करना है, जिसमें कुमाऊं क्षेत्र के विभिन्न जिलों में फैले 16 मंदिरों पर विशेष जोर दिया गया है। सैकड़ों वर्षों से आस्था का केंद्र रहे ये मंदिर अब बड़े परिवर्तन का साक्षी बनने को तैयार हैं, उनकी पहुंच और भव्यता में सुधार के लिए बुनियादी ढांचे में विकास की योजना बनाई गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का विजन केवल भौतिक नवीनीकरण तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसमें एक समग्र रणनीति भी शामिल है, जिसमें उन्नत सड़क कनेक्टिविटी, आतिथ्य और आवास सेवाएं और संरक्षण जैसी बातें शामिल हैं।

गिरिजा देवी मंदिर

मानसखंड मंदिर माला मिशन के प्रतिष्ठित स्थलों तक सड़क कनेक्टिविटी में सुधार करने के लिए कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी कहते हैं कि मानसखंड की परिकल्पना के तहत आने वाले जितने भी धार्मिक स्थल और पर्यटक स्थल हैं, उन्हें अच्छी कनेक्टिविटी देने पर हमारा ध्यान केंद्रित है। राज्य में तीर्थयात्रा और पर्यटन को बढ़ावा देने में निर्बाध परिवहन नेटवर्क की भूमिका अहम है। इन मंदिरों को जोड़ने वाली सड़कों के निर्माण को प्राथमिकता दी जा रही है। तीर्थयात्रा के दौरान सुविधा के साथ-साथ बेहतर सड़क व अन्य बुनियादी ढांचा के विकास से इन स्थलों में रहने वाले स्थानीय निवासियों के लिए भी आर्थिक संभावनाएं बनेंगी। पारंपरिक आध्यात्मिकता के साथ-साथ आधुनिक सुविधाओं का विकास मानसखंड मंदिर माला मिशन के लिए अहम है। मुख्यमंत्री धामी चाहते हैं कि यह कार्य सिर्फ बुनियादी ढांचे के विकास तक सीमित नहीं होने चाहिए, बल्कि इसके माध्यम से भक्तों और आगंतुकों को विशेष सुविधाएं प्रदान करना भी हमारी प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके लिए आसपास के स्थानों के विस्तार और आतिथ्य सेवाओं के प्रावधान के लिए बजट का आवंटन किया गया है और यह पर्यटकों के लिए एक अविस्मरणीय और समृद्ध अनुभव सुनिश्चित करने की दिशा में उत्तराखण्ड सरकार की प्रतिबद्धता को भी उजागर करता है। इस कार्य को धरातल पर उतारने के लिए मुख्यमंत्री धामी ने जनवरी 2024 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और उनसे मानसखंड मंदिर माला मिशन के काम पर समर्थन मांगा। बैठक में उन्होंने मानसखंड मंदिर माला मिशन के उद्देश्यों और अनिवार्यताओं पर प्रकाश डाला। इस मिशन की सफलता ने आवश्यक संसाधन जुटाने के उनके संकल्प को दर्शाया है। साथ ही, उत्तराखण्ड के आर्थिक और सांस्कृतिक परिदृश्य को बढ़ावा देने में भी इस पहल की महत्वता बढ़ने वाली है।

मानसखंड एक्सप्रेस

मानसखंड एक्सप्रेस मानसखंड मंदिर माला मिशन के तहत शुरू की जा रही एक विशेष ट्रेन सेवा है, जो कोलकाता को टनकपुर से जोड़ेगी। लंबी दूरी की इस ट्रेन की सेवा 15 अप्रैल से शुरू होने वाली है और यह कुमाऊं क्षेत्र के मंदिरों और देशभर के भक्तों के बीच एक मजबूत संबंध के रूप में कार्य करेगी। मानसखंड एक्सप्रेस स्थानीय और क्षेत्रीय परिवहन सेवाओं से युक्त होगी और आतिथ्य सेवा का सर्वोत्तम उदाहरण प्रस्तुत करेगी। इसके अलावा, राज्य की विरासत और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिए उत्तराखण्ड सरकार का अपने ऐतिहासिक स्थलों और मंदिरों के संरक्षण और उन्नति के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। इसके लिए विरासत अधिनियम बनाने के उपाय किए गए हैं। मानसखंड मंदिर माला मिशन के तहत मान्यता प्राप्त 16 मंदिरों में से प्रत्येक के लिए अलग-अलग मास्टर प्लान तैयार किए गए हैं और इनके माध्यम से सरकार उनके संपूर्ण पुनरुद्धार कर रही है। एक सहकारी मिशन के तहत विभिन्न विभागों और प्रभागों का संगम इस प्रयास को आगे बढ़ा रहा है। जैसे-जैसे मानसखंड मंदिर माला मिशन गति पकड़ रहा है, यह न केवल धार्मिक स्थलों को पुनर्स्थापित करने बल्कि क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को भी सुनिश्चित कर रहा है। उत्तराखण्ड की परंपरा और आधुनिकता, आध्यात्मिकता और बुनियादी ढांचे के विस्तार का बेहतर संयोजन निश्चित रूप से उत्तराखण्ड के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के विजन को दर्शाता है। राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने के लिए मानसखंड मंदिर माला मिशन, देश के भविष्य को आकार देने के लिए दूरदर्शी नेतृत्व की क्षमता का एक भी अप्रतिम उदाहरण है।

बैजनाथ

बागनाथ मंदिर

गुरुद्वारा नानकमत्ता साहिब

जागेश्वर धाम मंदिर

कसार देवी मंदिर

तुम ये कभी मत सोचो कि आत्मा के लिए कुछ असंभव है। ऐसा सोचना तो सबसे बड़ा अधर्म है। – अज्ञात

पेज थ्री
www.page3news.in

जेंडर न्यूट्रल पॉलिसी

सवाल यह भी है कि जब सशस्त्र बलों में यह मामला उठा था, तब भी कहा गया था सरकार को जेंडर न्यूट्रल पॉलिसी बनाने की पहल करनी चाहिए। मगर ऐसा लगता है कि सरकार की ओर से इस दिशा में कोई खास सार्थक प्रयास नहीं हुए।

गुलशन राय खत्री।।

एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट ने देश के सुरक्षा ढांचे के अंदर पलती पितृसत्तात्मक सोच पर कड़ी चोट की है। इस बार मामला कोस्टगार्ड से जुड़ा है। हालांकि अभी फैसला नहीं आया है, मामले की अगली सुनवाई होनी है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के रुख ने इतना तय कर दिया है कि कोस्टगार्ड में महिलाओं को परमानेंट कमिशन देने में अब और टालमटोल नहीं किया जा सकेगा।

इस संबंध में अचरज की बात यही है कि महिला–पुरुष बराबरी को लेकर देश–दुनिया में चल रहे विमर्श से हमारे सरकारी ढांचे का कोई हिस्सा इस कदर उदासीन कैसे हो सकता है। ध्यान रहे कि सशस्त्र बलों में बराबरी का व्यवहार पाने का महिलाओं का संघर्ष भी इसी दौर में चला। सुप्रीम कोर्ट ने 2020 के फैसले में आर्मी को निर्देश दिया कि महिलाओं को परमानेंट कमिशन देना होगा। अदालत ने इसके खिलाफ दी जाने वाली सारी दलीलों को खारिज कर दिया।

बावजूद इसके, कोस्टगार्ड से जुड़े इस मामले में भी मिलते–जुलते से तर्क सुनने को मिले। मिसाल के तौर पर, कहा गया कि कोस्टगार्ड की फंक्शनिंग सेना या नौसेना से अलग है। ठीक ही अदालत ने इस तरह की दलीलों के विस्तार में गए बगैर ही उन्हें यह कहते हुए काट दिया कि 2024 में फंक्शनल डिफरेंस वाले तर्क नहीं चलेंगे। चाहे जो भी डिफरेंस हो और जो भी बाधाएं हों, महिलाओं को परमानेंट कमिशन देना ही होगा। जाहिर है, अब आगे बात इस पर नहीं होगी कि यह देना है या नहीं, मसला सिर्फ यह होगा कि कैसे देना है।

सवाल यह भी है कि जब सशस्त्र बलों में यह मामला उठा था, तब भी कहा गया था सरकार को जेंडर न्यूट्रल पॉलिसी बनाने की पहल करनी चाहिए। मगर ऐसा लगता है कि सरकार की ओर से इस दिशा में कोई खास सार्थक प्रयास नहीं हुए। वरना सर्वोच्च अदालत के सामने 'फंक्शनल डिफिकल्टीज' गिनाने की कवायद में लगने के बजाय यह बताया जाता कि उन बाधाओं को दूर करने में कितनी कामयाबी मिली है।

वैसे सुप्रीम कोर्ट ने भी साफ कर दिया है कि यह मामला याचिकाकर्ता तक सीमित नहीं है, लेकिन अगर मिसाल के तौर पर इस खास मामले का जिक्र करें तो भी इंडियन कोस्टगार्ड में पायलट के तौर पर 14 साल के अपने कार्यकाल के दौरान याचिकाकर्ता ने समंदर में 300 जानें बचाईं। उनके खाते में 4500 फ्लाइंग आवर्स दर्ज हैं जो सशस्त्र बलों में महिला और पुरुष दोनों श्रेणियों में सबसे ज्यादा है।

वेशभूषा

अशोक वोहरा। ये कोई मामूली अंगूठी नहीं है बल्कि ये एक हीरे की अंगूठी है जिसकी पहचान केवल सुनार ही कर सकता था। इसलिए वह 5 माला देने को तैयार हो गया। ठीक वैसे ही मेरी वेशभूषा को देखकर तुम मुझसे प्रभावित नहीं हुए। लेकिन ज्ञान का प्रकाश लोगों को मेरी ओर खींच लाता है। व्यक्ति महात्मा जी की बातें सुनकर बड़ा शर्मिंदा हुआ।
दोस्तों कपड़ों से व्यक्ति की पहचान नहीं होती बल्कि आचरण और ज्ञान से व्यक्ति की पहचान होती है। वेदों के पंडित होने से वेदव्यास कहे जाते थेद्य वेदव्यास जी अमर हैं, वे आज भी धरती पर विद्यमान हैं और किसी–किसी को दर्शन देकर कृ तार्थ करते हैं।

संपादकीय

जेलेंस्की की लीडरशिप

युद्ध की शुरुआत में रूस ने यह प्रचार किया कि जेलेंस्की देश छोड़कर भाग गए हैं, लेकिन सच यह है कि यूक्रेनी राष्ट्रपति ने देश छोड़ने से इनकार कर दिया। उन्होंने यूक्रेन की जनता से रूस के खिलाफ खड़े होने की अपील की। इसके साथ उन्होंने पश्चिमी देशों को यूक्रेन की मदद के लिए मनाना शुरू किया। दरअसल, कई पश्चिमी देशों के लीडरों को भी लगा था कि रूस का कुछ ही दिनों में यूक्रेन पर कब्जा हो जाएगा। लेकिन जब उन्होंने यूक्रेन की फौज और वहां के लोगों की बहादुरी देखी तो वे भी मदद के लिए आगे आए। अफसोस की बात है कि यूक्रेन ने युद्ध में जो बढ़त बनाई थी, वह अब उसके हाथ से निकल रही है। पश्चिमी देशों में इस युद्ध को लेकर एक ऊब दिख रही है। उन्हें लगता है कि यूक्रेन किसी भी सूरत में इस जंग को नहीं जीत पाएगा। इसलिए उसे शांति की पहल करनी चाहिए। डॉनल्ड ट्रंप कह रहे हैं कि वह 24 घंटे में दोनों पक्षों के बीच सुलह करा सकते हैं। कुछ अन्य पश्चिमी देशों को भी लगता है कि यूक्रेन में उनका कुछ दांव पर नहीं लगा है। यह सोच ठीक नहीं है। अगर यूक्रेन को रूस की शर्तों पर समझौता करना पड़ा तो पूतिन का हौसला और बढ़ेगा।

यूक्रेन के लिए अब तक अमेरिका सबसे बड़ा मददगार रहा है, लेकिन इधर रिपब्लिकन पार्टी ने यूक्रेन को अरबों डॉलर की मदद रोक रखी है। इससे यूक्रेन के पास हथियारों की कमी का खतरा पैदा हो गया है।

नहीं दिख रहा अंत

मृत्युंजय राय।।

हाल में आई किताब में यूक्रेन युद्ध के शुरुआती दौर का जिक्र है। इसे लिखने वाले हैं यारोस्लाव ट्रोफिमोव, जिन्होंने अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल के लिए इस युद्ध की रिपोर्टिंग की है। यारोस्लाव का जन्म यूक्रेन में हुआ था। उनकी यह किताब हमें इस युद्ध के कई अनजाने पहलुओं से वाकिफ कराती है। यह किताब बताती है कि चंद रोज के अंदर यूक्रेन पर कब्जे का रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन का प्लान क्यों कामयाब नहीं हुआ। इस किताब के बारे में आज बात करना इसलिए भी प्रासंगिक है क्योंकि यह युद्ध अब तीसरे साल में प्रवेश कर चुका है और अभी भी इसका कोई अंत नहीं दिख रहा।

आज युद्ध में रूस का पलड़ा भारी है। आव्दीवका शहर पर हाल ही में उसने कब्जा किया है। यूक्रेन के लिए अब तक अमेरिका सबसे बड़ा मददगार रहा है, लेकिन इधर रिपब्लिकन पार्टी ने यूक्रेन को अरबों डॉलर की मदद रोक रखी है। इससे यूक्रेन के पास हथियारों की कमी का खतरा पैदा हो गया है। इससे यूक्रेनियों के मनोबल पर बुरा असर पड़ रहा है।

यारोस्लाव बताते हैं कि युद्ध के शुरुआती दौर में यूक्रेन के लोगों ने चतुराई और साहस से कैसे रूसी हमले को नाकाम किया। मारियूपोल में रूसी सैनिकों से यूक्रेन के जो फौजी मुकाबला

कर रहे थे, कैसे उन्हें मदद पहुंचाने के लिए यूक्रेन के हेलिकॉप्टर पायलटों ने जान जोखिम में डाली। सिर्फ तीन यूक्रेनी सैनिकों ने रेडियो सेट पर लगातार बात करके किस तरह से रूसी मिलिट्री इंटेलिजेंस को चकमा दिया। तीन सैनिक यह भ्रम पैदा करने में कामयाब रहे कि वे एक बड़े फौजी दस्ते का हिस्सा हैं।

यारोस्लाव युद्ध को लेकर पूतिन के प्लान के बारे में भी लिखते हैं। पूतिन ने सोचा था कि यूक्रेन की राजधानी कीव पर चंद रोज में रूस का कब्जा हो जाएगा। इसके बाद वोलोदिमीर जेलेंस्की की हत्या कर दी जाएगी या उन्हें देश छोड़कर भागने को मजबूर किया जाएगा। फिर पूतिन उनकी जगह अपने पिट्ठू विक्टोर मेदवेदचुक को यूक्रेन का राष्ट्रपति बना देंगे और इस तरह से यूक्रेन की सत्ता उनके हाथों में आ जाएगी। लेकिन यूक्रेन के लोगों के साहस ने पूतिन की योजना नाकाम कर दी, जिसका उन्हें अंदाजा नहीं था। बड़ी संख्या में यूक्रेन की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए लोग फौज में भर्ती हुए। वॉलंटियरों ने भी रूसी फौज से मुकाबले में साथ दिया। उनकी टीम और यूक्रेन की स्पेशल फोर्सेज ने होस्टोमेल एयरपोर्ट पर रूस के कमांडो को उतरने नहीं दिया। रूस ने हजारों की संख्या में इन लोगों को एयरपोर्ट पर उतारने की कोशिश की ताकि कीव पर जल्द कब्जा किया जा सके।

यारोस्लाव लिखते हैं कि अगर ये कमांडो वहां उतर जाते तो कीव यूक्रेन के हाथ से निकल जाता। खारकीव के बाहर ओखत्रय्का में यूक्रेनी वॉलंटियरों ने रूसी टैंकों पर जबरदस्त हमला बोला। दिलचस्प यह है कि इसके लिए रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड चलाने से पहले उन्हें इंस्ट्रक्शन मैनुअल पढ़ना पड़ा क्योंकि उन्हें यह काम नहीं आता था।

अष्टयोग-5086

4	3		5		1	2
	33		35	1	27	
6	1		7		5	
	26	2	40	7	34	
1		6			2	4
	29		33	4	30	
	4		2		6	

अष्टयोग 5085 का हल

7	4	5	2	3	6	1
5	35	3	27	1	28	7
6	1	4	7	2	5	3
3	26	2	40	7	34	6
1	3	6	7	5	2	4
2	27	1	41	4	29	5
4	3	7	5	6	1	2

अपना ब्लॉग

संघ परिवार में असहजता

मोहन। लिव–इन रिलेशनशिप से संबंधित प्रावधानों से बीजेपी एवं संघ परिवार के अंदर थोड़ी असहजता भी महसूस की जा रही है। लिव–इन रिलेशनशिप का पंजीकरण न कराने पर दंड, उस अवधि में पैदा होने वाले बच्चों को वैध संतान की मान्यता और पुरुष द्वारा लिव–इन की महिला को छोड़ने पर उस महिला को भरण–पोषण पाने के अधिकार जैसे प्रावधानों से आशंका पैदा हुई है कि ऐसे संबंध विस्तारित हो सकते हैं। कुल मिलाकर समान नागरिक संहिता स्वतंत्रता के बाद समाज के सभी हिस्सों दृ पुरुष, स्त्री, बच्चों दृ के लिए सामाजिक न्याय सुनिश्चित करती है। यह प्रगतिशील लोकतांत्रिक और परस्पर सम्मान पर आधारित समाज के निर्माण के सपने को पूरा करने का विधान है। धामी सरकार द्वारा गठित न्यायमूर्ति रंजना देसाई समिति ने इस पर विस्तार से कार्य किया है। अन्य देशों की संहिताओं, संविधान सभा में हुई बहस आदि का अध्ययन किया गया, लोगों से सुझाव मांगे गए और जगह–जगह बैठकें की गईं। समिति को ढाई लाख से अधिक सुझाव प्राप्त हुए।

डीविलियर्स और गेल भी नहीं कर सके हैं ऐसा कमाल

बता दें कि यह कारनामा आजतक एबी डिविलियर्स और क्रिस गेल भी अपनी आईपीएल फ्रेंचाइजी के लिए नहीं कर पाए हैं। किसी एक आईपीएल टीम के लिए 5000 से ज्यादा रन विराट कोहली, रोहित शर्मा, सुरेश रैना और कई बाकी प्लेयर्स ने ही बनाए हैं। विराट कोहली आरसीबी के लिए खेलते हुए अभी तक कुल 7263 रन बना चुके हैं। सुरेश रैना ने सीएसके के लिए 5529 बनाए।

इतने रन बनाते ही धौनी कर डालेंगे बड़ा कारनामा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। आईपीएल 2024 का आगाज 22 मार्च से होने जा रहा है, जहां पहला मुकाबला चेन्नई सुपर किंग्स और आरसीबी के बीच में खेला जाएगा। चेपॉक में खेले जाने वाले आईपीएल 2024 के पहले मैच से ही रोमांच देखने को मिलेगा। पहले मुकाबले में ही एमएस धोनी के निशाने पर एक बड़ा रिकॉर्ड होगा, जिसके लिए धोनी को थोड़े से रन बनाने की जरूरत होगी। आइए जानते हैं धोनी के इस रिकॉर्ड की जो वह चेपॉक में बना सकते हैं। दरअसल, 42 साल के धोनी आरसीबी के खिलाफ खेले जाने वाले आईपीएल 2024 के पहले मैच में 43 रन बनाते ही एक बडी कीर्तिमान हासिल कर लेंगे। बता दें कि धोनी अगर 43 रन बना लेते हैं तो वह सीएसके के दूसरे क्रिकेट और ओवरऑल चौथे क्रिकेटर बन जाएंगे जो एक आईपीएल टीम के लिए खेलते हुए 5000 रन पूरा कर लेंगे। धोनी सीएसके के लिए खेलते हुए अब तक आईपीएल में 4957 रन बना चुके हैं। वह 43 रन बना लेते हैं तो वह सुरेश रैना के बाद सीएसके के लिए ये कारनामा करने वाले दूसरे खिलाड़ी बन जाएंगे।

मैंने उस दिन रोहित शर्मा में एक जबरदस्त लीडर देखा

क्रिकेट

अश्विन ने कप्तान रोहित शर्मा की दिल खोलकर की तारीफ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। टीम इंडिया के स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया। इस टूर्नामेंट में अश्विन ने अपना 100वां टेस्ट मैच खेला और 500 विकेट्स भी पूरे किए। इस टेस्ट सीरीज के बीच में उन्हें भारतीय टीम को छोड़कर अपने घर रवाना भी होना पड़ा था। अश्विन अपनी मां की तबीयत के चलते राजकोट टेस्ट के दौरान अपने घर चले गए थे।

इसको लेकर हाल ही में अपने यूट्यूब चैनल पर अश्विन ने बताया कि किस तरह मां की तबीयत खराब के बारे में सुनकर वह रोने लगे थे। अश्विन ने बताया कि वह फ्लाइट ढूंढ रहे थे और कोई फ्लाइट नहीं थी। इसके बाद रोहित ने जो काम किया उसके बाद अश्विन

उनसे काफी इंप्रेस हो गए। हाल ही में अश्विन ने रोहित को धोनी से 10 कदम आगे बताया और उनकी दिल खोलकर तारीफ भी की।

दरअसल, अश्विन ने तीसरे टेस्ट में अपने टेस्ट करियर के 500 विकेट पूरे किए। इस उपलब्धि के बाद उन्हें पता चला था कि उनकी मां बीमार है और इसके बाद वह रोने लगे और घर जाने के लिए फ्लाइट देखने लगे। डॉक्टर से उन्होंने जब पूछा कि मां कैसी हैं क्या वो बेहोश हैं, तो जवाब मिला कि वह देखने की स्थिति में नहीं हैं। ऐसे में अश्विन की आंखों में आंसू आ गए और राजकोट से चेन्नई जाने के लिए जब उन्हें कोई फ्लाइट नहीं मिली तो रोहित शर्मा और द्रविड़ उनके कमरे में आए।

अश्विन ने कहा कि रोहित और राहुल भाई मेरे कमरे में आए। रोहित ने कहा कि सोचना बंद करो और परिवार के पास जाओ। वह मेरे लिए चार्टर फ्लाइट की व्यवस्था करने की कोशिश कर रहा था। स्पिनर ने आगे कहा कि उससे कहा कि वह इस मुश्किल समय में मेरे साथ रहे। रात के तब साढ़े 9 बज रहे थे और मैं हैरान रह गया। मैं सोच भी नहीं सकता। मैंने सोचा अगर मैं कप्तान होता तो मैं अपने खिलाड़ी को घर जाने को कहता, लेकिन क्या मैं उसकी देखभाल के लिए लोगों को फोन करता? पता नहीं, मैंने उस दिन रोहित शर्मा में एक जबरदस्त लीडर देखा। इसके साथ ही अश्विन ने कहा कि धोनी मैदान पर शांत फैसले के लिए जाने जाते हैं, लेकिन रोहित ने उस दिन जो किया उससे वह मेरी नजरों में 10 कदम आगे हो गए हैं।

देश के लिए आप इंजर्ड और आईपीएल के लिए फिट कैसे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व पेसर प्रवीण कुमार ने मुंबई इंडियंस के नए कप्तान हार्दिक पांड्या की जमकर आलोचना की। प्रवीण ने हार्दिक पांड्या पर तंज कसते हुए कहा कि आईपीएल से कुछ महीने पहले इंजर्ड हो जाते है। आप अपने देश के लिए नहीं खेलते और ना ही अपने राज्य के लिए घरेलू क्रिकेट खेलते हैं और फिर सीधा आईपीएल खेलने पहुंच जाते हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए।

दरअसल, हार्दिक पांड्या वनडे विश्व कप 2023 के दौरान चोटिल हो गए थे, जिसके बाद वह टूर्नामेंट से बाहर हुए। इसके बाद उन्हें आईपीएल 2024 के लिए मुंबई ने ट्रेड किया और

■आईपीएल 2024 में मुंबई इंडियंस की कप्तानी करेंगें हार्दिक

उनकी मुंबई में सिर्फ वापसी ही नहीं हुई, बल्कि उन्हें मुंबई टीम की कमान भी सौंपी गई। रोहित शर्मा से कप्तानी छीनने के बाद हार्दिक को नया कप्तान बनाया गया। इस फैसले से हर कोई हैरान रह गया।

बता दें कि हार्दिक पांड्या ने इंजर्ड होने की वजह से एक भी घरेलू क्रिकेट मैच नहीं खेला। इस कड़ी में भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर प्रवीण कुमार ने हार्दिक पर तंज कसा हैं। उन्होंने कहा कि आईपीएल से आप दो महीने पहले इंजर्ड हो जाते हैं और फिर आप अपने देश के लिए भी नहीं खेलते और ना ही आप घरेलू क्रिकेट में अपने राज्य के लिए खेलते हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए। मैं मानता हूं कि पैसा कमाना अच्छा है, लेकिन आपको देश और राज्य के लिए भी खेलना चाहिए। आज के दौर में लोग सिर्फ आईपीएल को ही महत्वपूर्ण समझ रहे हैं।

आईपीएल 2024 में मुंबई इंडियंस की कप्तानी हार्दिक पांड्या करते हुए नजर आएंगे। मुंबई टीम ने मिनी ऑक्शन से पहले हर किसी को चौंकाते हुए आईपीएल के 17वें सीजन के लिए हार्दिक पांड्या को अपना कप्तान नियुक्त कर दिया था। इस सीजन मुंबई ने हार्दिक को ट्रेड किया और इसके बाद उन्हें रोहित की जगह कप्तान बना दिया। आईपीएल 2024 में मुंबई इंडियंस का पहला मुकाबला गुजरात टाइटंस से 23 मार्च को होना है।

मुंबई इंडियंस को मिल गया अगला कायरन पोलार्ड!

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। 5 बार की आईपीएल चैंपियन मुंबई इंडियंस के लिए वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान और दिग्गज ऑलराउंडर कायरन पोलार्ड ने कई साल क्रिकेट खेला है। पोलार्ड ने मुंबई इंडियंस को अपने दम पर तमाम मैच जिताए हैं। बता दें कि पोलार्ड अपना पूरा आईपीएल करियर सिर्फ एमआई के लिए ही खेले हैं। पोलार्ड ने 2010–2022 तक आईपीएल में 189 मुकाबले खेले हैं, जिसमें उन्होंने 147 के स्ट्राइक रेट से 3412 रन बनाए हैं और 69 विकेट भी लिए हैं। हालांकि जब से पोलार्ड रिटायर हुए हैं। लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि मुंबई इंडियंस को पोलार्ड का रिप्लेसमेंट मिल गया है। जी हां, यह सूरमा गेंद के साथ बल्ले से खलबली मचाने का दम रखता है। अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के अनुभवी और स्टार ऑलराउंडर मोहम्मद नाबी मुंबई इंडियंस के लिए कायरन पोलार्ड की भूमिका निभा सकते हैं। नाबी, पोलार्ड की तरह लोवर मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी करना पसंद करते हैं।

न्यूज डायरी

रोने का कोई एक्सक्यूज नहीं है और भारत की जीत निष्पक्ष और उचित थी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैच की रोमांचक टेस्ट सीरीज अब समाप्त हो गई है। भारतीय टीम ने इस घरेलू टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड की बैंड बजा दी। रोहित सेना के सामने बैजबॉल की धज्जियां उड़ गई। रोहित शर्मा एंड कंपनी ने 4–1 से टेस्ट सीरीज अपने नाम कर ली। हालांकि बेन स्टोक्स की कप्तानी वाली इंग्लैंड टीम ने हैदराबाद में खेले गए पहले टेस्ट में जीत के साथ सीरीज की शुरुआत की थी। लेकिन इसके बाद वह लगातार 4 मैच हारे, जिसके चलते भारत ने आसानी से सीरीज अपने नाम कर ली। भारत में पिच पर स्पिनर्स को काफी मदद मिलती है। अक्सर टीमें जब भारत का दौरा करती हैं तो पिच को लेकर काफी चिक–चिक होती है। लेकिन जब टीम इंडिया बाहर जाती है और खतरनाक स्विंग होने वाली पिचों पर खेलती है। तो जब इस बात को ज्यादा वैल्यू नहीं दी जाती। हालांकि अब इंग्लैंड को धूल चटाने के बाद भारत के पूर्व कप्तान और लीजेंड सुनील गावस्कर ने बड़ा बयान दिया है। इस बार हैदराबाद, विशाखापत्तनम, राजकोट, रांची और धर्मशाला की पिचों ने बल्लेबाजों, तेज गेंदबाजों और स्पिनरों को अपने कौशल दिखाने का उचित मौका दिया। भारत ने इंग्लैंड को हर पहलू में पछाड़ा और 4–1 से सीरीज जीतकर विजयी हुआ। कुछ शिकायतों के बावजूद, इंग्लैंड और उनके मीडिया ने पिचों की निष्पक्षता को स्वीकार किया।

शॉट से नन्हा बॉल बॉय हुआ घायल तो रिंकू सिंह ने यूं जीत लिया दिल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। आईपीएल यानी इंडियन प्रीमियर लीग 2024 के शुरू होने में अब 10 दिन से भी कम का समय रह गया है। 22 मार्च से आईपीएल के 17वें सीजन का आगाज होने जा रहा है। सीजन का पहला मैच चेन्नई के एम चिदंबरम स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के बीच खेला जाएगा। हालांकि आईपीएल शुरू होने से पहले अब सभी टीमों ने प्रैक्टिस करना शुरू कर दिया। तकरीबन हर एक फ्रेंचाइजी के कैंप लग गए हैं। वहीं अब 2 बार की आईपीएल चैंपियन कोलकाता नाइटराइडर्स के कैंप से एक वीडियो सामने आई है। उस वीडियो में रिंकू सिंह ने कुछ ऐसा किया कि आपके मन में उनके लिए इज्जत और बढ़ जाएगी। केकेआर ने इंस्टाग्राम पर अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पेज पर अपने ट्रेनिंग सेशन की एक वीडियो शेयर की है। उस वीडियो में सिक्सर किंग रिंकू सिंह एक बड़ा शॉट खेलते हैं, गेंद जाकर सीधा ग्राउंड में छोटे बच्चे को लगती है। बच्चे और उसकी जर्सी को देखकर लगता है कि उसे भी क्रिकेट खेलने का शौक है। वहीं जब बच्चे के बॉल लगती है तो खुद रिंकू सिंह उनके पास जाते हैं। उनसे पूछते हैं कि कहां गेंद लगी। इसके बाद रिंकू खुद उस बच्चे को सॉरी बोलते हैं। बच्चे को अपना ऑटोग्राफ भी देते हैं।

बार्सिलोना ने 4 तो आर्सेनल ने 14 साल बाद क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) यूरोप। स्पेन के शीर्ष क्लब बार्सिलोना ने चार साल जबकि इंग्लैंड के क्लब आर्सेनल ने 14 साल बाद चौंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। पांच बार के यूरोपीय चैंपियन बार्सिलोना ने नैपोली को 3–1 से हराकर अंतिम आठ में अपनी जगह सुरक्षित की। इन दोनों टीम के बीच पहले चरण का मैच 1–1 से बराबर रहा था और इस तरह से बार्सिलोना ने 4–2 के कुल योग से जीत हासिल की। बार्सिलोना के लिए फर्मिन लोपेज, जोआओ कैंसलो और रॉबर्ट लेवांडोव्स्की ने गोल किए। नैपोली की तरफ से एकमात्र गोल अमीर रहमानी ने किया। बार्सिलोना पिछले दो वर्षों में चैंपियंस लीग के ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ पाया था।वह इससे पहले आखिरी बार 2019–20 में क्वार्टर फाइनल में पहुंचा था जहां उसे बायर्न म्यूनिख से हार का सामना करना पड़ा था। खेले गए चौंपियंस लीग के एक अन्य मैच में आर्सेनल ने पोर्तो को पेनल्टी शूटआउट में 4–2 से हराकर 2010 के बाद पहली बार इस प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। पोर्तो ने पहले चरण का मैच 1–0 से जीता था लेकिन आर्सेनल लिएंड्रो ट्रॉसार्ड के 41वें मिनट में किए गए गोल से बराबरी करने में सफल रहा। पेनल्टी शूटआउट में आर्सेनल के गोलकीपर डेविड राया ने गलेनो का शॉट रोककर अपनी टीम को अंतिम आठ में पहुंचाया। क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने वाली अन्य टीमों में रियाल मैड्रिड, बायर्न म्यूनिख, पेरिस सेंट जर्मेन और मैनचेस्टर सिटी शामिल हैं।

हमारा दून

संक्षिप्त समाचार

मंत्री ने किया गोर्खाली सुधार सभा भवन का शिलान्यास

संवाददाता देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने बुधवार को मुख्यमंत्री घोषणा के अंतर्गत 98.18 लाख रुपये की लागत से गोर्खाली सुधार सभा के जीर्णोद्वार कार्य का शिलान्यास किया। गढ़ी कैंट स्थित गोर्खाली सुधार सभा में हुए कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री ने कहा कि गोर्खाली सुधार सभा अपने समाज के उत्थान के लिए उल्लेखनीय काम कर रही है। उन्होने बताया कि गढ़ी डाकरा में पेयजल की सुचारू उपलब्धता, सामुदायिक भवन निर्माण, वीरपुर पुल निर्माण, विद्युत बिल जमा करने की सेंटर स्थापना, लाइट, खंबे, चौकों का सौंदर्यकरण, छावनी अस्पताल का उच्चीकरण, गोर्खाली सुधार सभा में कंप्यूटर देने जैसे कार्य किए जा चुके है।

कैंट विधानसभा में खुला भाजपा का चुनाव कार्यालय

संवाददाता देहरादून। कैंट विधानसभा में विधायक सविता कपूर ने चकराता रोड पर टिहरी लोक सभा प्रत्याशी माला राज्य लक्ष्मी शाह के कैंट विधानसभा चुनाव कार्यालय का उद्घाटन किया। इस अवसर सविता कपूर ने कि कार्यकर्ताओं ने पिछले कई चुनावों से कैंट विधानसभा से पार्टी प्रत्याशी को प्रचंड बहुत से विजय दिलाई है। पार्टी का एक–एक कार्यकर्ता पूरी मेहनत करता है। टिहरी लोक सभा प्रभारी विनय रोहिला ने कहा कि कार्यकर्ता घर–घर गली–गली संपर्क करें। मौके पर पुनीत मित्तल, सीता राम भट्ट, ओपी कुलश्रेष्ठ, अमित कपूर, आदित्य चौहान, अतुल कपूर, जोगेंद्र पुंडीर, सुमित पांडे, हरीश कोहली आदि अनिता सिंह मौजूद रहे।

रोडवेज कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़ाया जाए

संवाददाता देहरादून। उत्तराखंड रोडवेज इंपलाइज यूनियन ने शासन के आदेश अनुरूप कर्मचारियों को महंगाई भत्ते का लाभ देने की मांग की है। यूनियन ने इसके लिए प्रबंध निदेशक को पत्र लिखा है। प्रदेश महामंत्री रविनंदन कुमार ने पत्र में बताया कि सरकार ने सार्वजनिक निगम और उपक्रमों में कार्यरत कर्मचारियों का भत्ता 42 फीसदी से बढ़ाकर 46 फीसदी कर दिया है। बीते मंगलवार को इसके आदेश भी हो चुके हैं। उन्होंने सरकार के आदेश अनुरूप मार्च महीने के वेतन में बढ़े हुए भत्ते का लाभ देने की मांग की है।

गुवाहाटी में ग्रेट 4 बाय 4 एक्सपेडिशन बाय टोयोटा का सफलतापूर्वक समापन

संवाददाता देहरादून। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने अत्यधिक महत्वपूर्ण उत्तर–पूर्व क्षेत्र में ग्रेट 4 बाय 4 एक्सपेडिशन बाय टोयोटा का सफलतापूर्वक समापन किया। यह एक उल्लेखनीय आयोजन था जिसने 4 बाय 4 ड्राइविंग के उत्साह और विशिष्ट 4बाय4 समुदाय के साथ एक मजबूत जुड़ाव को एकजुट कर दिया।

देवभूमि उत्तराखण्ड के प्रति लोगों का जबरदस्त आकर्षण है: सीएम

बैठक

■ प्रमुख वेडिंग प्लानर्स के साथ मुख्यमंत्री की बैठक

■फिल्मों की शूटिंग के साथ–साथ प्री–वेडिंग शूट के लिए भी प्राथमिकता दी जा रही है

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में बुधवार को कैम्प कार्यालय सभागार में डेस्टिनेशन वेडिंग पर उत्तरी भारत के प्रमुख वेडिंग प्लानर्स के साथ वर्चुअल बैठक आयोजित हुई।

बैठक में उत्तरी भारत के 75 से अधिक प्रमुख वेडिंग प्लानर्स ने प्रतिभाग किया, जिसमें से वैडिंग प्लानर–श्री सौरभ व सुश्री सीता ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि आज कल के युवाओं को वेडिंग के लिये नेचुरल व्यू चाहिए, जिसके लिये उत्तराखण्ड बेस्ट वेडिंग डेस्टिनेशन है तथा यहां का मौसम भी काफी अच्छा है। उन्होंने बताया कि वे अब तक 60 से अधिक शादियों की व्यवस्था कर चुके हैं। इसी प्रकार वेडिंग प्लानर शैलजा व आयुष ने बताया कि हम देवभूमि उत्तराखण्ड के ऋषिकेश, त्रियुगीनारायण, चकराता

आदि में वेडिंग करा चुके हैं। उन्होंने कहा कि यहां का वातावरण, मौसम, प्रकृति की विविधता आदि को देखते हुए देवभूमि उत्तराखण्ड के प्रति लोगों का जबरदस्त आकर्षण है। सीजेवाई गुड़गांव से वेडिंग प्लानर सुश्री रेनू ने अपने अनुभव बताते हुये कहा कि हम अभी तक 200 से अधिक विवाह करा चुके हैं। इसी तरह अपने–अपने सुझाव बैठक में वेडिंग प्लानर्स ने साझा किये।

मुख्यमंत्री ने बैठक में वर्चुवल रूप से जुड़े हुये देश के प्रमुख वेडिंग प्लानर्स का हार्दिक स्वागत व अभिनन्दन करते हुये कहा कि आप वेडिंग के क्षेत्र में पहले से जुड़े हुये हैं तथा आप लोगों ने काफी अच्छे–अच्छे सुझाव वेडिंग डेस्टिनेशन के सम्बन्ध में दिये हैं, जिन्हें जल्दी ही अमल में लाया जायेगा।

मुख्यमत्री ने कहा कि उत्तराखंड में कई ऐसे धार्मिक और प्राकृतिक सुंदरता से परिपूर्ण स्थल है, जिन्हें फिल्मों की शूटिंग के साथ–साथ प्री–वैडिंग शूट के लिए भी प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि चारधाम के अलावा उत्तराखंड का नैसर्गिक सौंदर्य हमेशा से देश–दुनिया के लोगों को आकर्षित करता रहा है तथा अब वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में भी प्रदेश खास पहचान बनाएगा। सरकार उत्तराखंड को वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने के लिए एक विस्तृत नीति बनाने पर कार्य कर रही है और जल्द ही उसके सुपरिणाम सामने आएंगे, उन्होंने यह भी कहा की प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अपेक्षा के अनुरूप उत्तराखंड जल्द ही वेडिंग डेस्टिनेशन के क्षेत्र में भारत ही नहीं वरन विश्व में नंबर 1 बनेगा। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में वेडिंग के लियें सैकड़ों डेस्टिनेशसन हैं तथा जहां भी आपकी नजर पड़ेगी तो पूरी देवभूमि ही डेस्टिनेशन है। उन्होंने युवाओं का उल्लेख करते हुये कहा कि वेडिंग को हर कोई यादगार बनाना चाहता है तथा हमारा भी प्रयास है कि हरेक की वेडिंग यादगार बने।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां त्रियुगीनारायण है, जहा शिव–पार्वती विवाह संपन्न हुआ था, यहां जागेश्वर धाम है, यहां बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री जैसे मंदिर हैं, यहां रामनगर जैसा वृहद वन क्षेत्र है। यहां आदि कैलाश है, यहां क्या नहीं है। उन्होंने कहा कि हम भविष्य में आप सभी के सुझावों को लेकर पॉलिसी बनाने के साथ ही हमारा हर प्रकार का सहयोग आप सभी को प्राप्त होगा।

उत्तराखण्ड में वेडिंग के लिए सभी सुविधाएं उपलब्धः सचिव नियोजन

सचिव नियोजन आर मीनाक्षी सुन्दरम ने कहा कि देवभूमि उत्तराखण्ड में चारधाम के अलावा अनेकों स्थल हैं तथा त्रियुगीनारायण तो शिव–पार्वती विवाह के लिये ही प्रमुख रूप से जाना जाता है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड के कई स्थानों में फिल्मों की शूटिंग भी होती है, जिसके लिये देवभूमि को फिल्म फ्रेंडली अवार्ड भी मिल चुका है तथा उत्तराखण्ड में वेडिंग के लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

दूरसंचार कम्पनियों को सेडोजोन में कनैक्टिविटी बढ़ाने के निर्देश

निर्देश

■ डीएम ने मतदान दिवस के दिन निर्बाद इन्टरनेट व्यवस्था बनी रहने के दिए निर्देश

संवाददाता

देहरादून। जिला निर्वाचन अधिकारीधजिलाधिकारी श्रीमती सोनिका की अध्यक्षता में ऋषिपर्णा सभागार कलेक्ट्रेट में लोकसभा सामान्य निर्वाचन–2024 के सम्पादनार्थ दूरसंचार कम्पनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित करते हुए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी ने दूरसंचार कम्पनियों के

प्रतिनिधियों को निर्देश दिए कि जिन बूथ पर वेबकास्टिंग की जानी है ऐसे समस्त बूथ पर नेटवर्क जांच ले तथा यह सुनिश्चित करें कि मतदान दिवस के दिन निर्बाद इन्टरनेट व्यवस्था बनी रहे। जिन बूथ पर बेबकास्टिंग की जानी है, जिसके लिए पूर्व में ही व्यवस्था कर ली जाए। जिलाधिकारी ने दूरसंचार कम्पनियों को सेडोजोन में कनैक्टिविटी बढाने के निर्देश दिए।

बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रामजीशरण शर्मा, अपर जिलाधिकारी प्रशासन जयभारत सिंह, अपर मुख्य आयुक्त नगर निगम बीर सिंह बुदियाल, उप महाप्रबन्धक बीएसएनएल प्रदीपक कुमार शर्मा, उप महाप्रबन्धक रिलाईस अक्षय त्यागी, रिलाईंस जियो विशाल गंगवार, एयरटेल से आशीष कुमार, सहायक अभियंता लोनिवि कपिल कुमार एवं यूपीसीएल के अधिकारियों सहित सम्बन्धित कम्पनियों के प्रतिनिधि एवं विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

विपक्षी दलों ने राज्यपाल को भेजा ज्ञापन

संवाददाता देहरादून। विपक्षी दल और जन संगठनों ने सरकार की गलत नीतियों के खिलाफ डीएम के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन भेजा। राज्यपाल से मांग की है कि सरकार को निर्देशित किया जाए कि वह कानून और संविधान के अनुरूप काम करें। बुधवार को जन संगठनों से जुड़े लोग डीएम दफ्तर पर पहुंचे। कहा कि राज्य के प्रत्येक का नागरिक की सुरक्षा की जिम्मेदारी राज्य सरकार की है। हल्द्वानी में निर्दोष दुकानदारों को धर्म के आधार पर निशाना बनाया गया था, जिस पर कोई कारवाई नहीं हुई। गैर कानूनी तरीकों से लोगों को हिरासत में रखा जा रहा है। आठ फरवरी को हुई हल्द्वानी के वनभूलपुरा में निंदनीय घटना हुई है। इस क्षेत्र में लोगों की संपत्तियों और गाड़ियों पर हुई तोड़फोड़ पर कोई जांच नहीं और कानूनी प्रक्रिया की धज्जियां उड़ा कर लोगों को बेदखल किया जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड, पी.ओ-राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।